भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1207

जिसका उत्तर सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक) को दिया गया

सेवा शुल्क के माध्यम से बैंकों की कमाई

1207. डॉ. टी. सुमति उर्फ तामिझाची थंगापंडियन:
श्री डी. एम. कथीर आनंद:
क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और अनुसूचित बैंक पूरे देश में ऑनलाइन सेवाओं और बैंक नेटवर्क के माध्यम से ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के लिए शुल्क वसूल रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत पांच वर्षों के दौरान बैंकों द्वारा अपनी ऑनलाइन सेवाओं के माध्यम से कुल कितनी धनराशि अर्जित की गई है;

(ग) क्या देशभर में ऑनलाइन सेवाओं और बैंक नेटवर्क के माध्यम से बैंकों को ग्राहकों से होने वाली आय में भारी वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने अमरीकी डालर के मुकाबले भारतीय रूपए के मूल्य को स्थिर करने के लिए अपने विदेशी मुद्रा और स्वर्ण भंडार का उपयोग किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 'बैंकों में ग्राहक सेवा' पर मास्टर परिपत्र के अनुसार, संबंधित बैंकों के बोर्ड को उनके द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सेवाओं पर सेवा शुल्क निर्धारित करने का अधिकार है, बशर्ते ये शुल्क उचित हों और इन सेवाओं को प्रदान करने की औसत लागत के अनुरूप न हों। इसके अलावा, बैंकों को सेवा शुल्क से संबंधित जानकारी अपनी-अपनी वेबसाइटों और नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने की भी सलाह दी गई है ताकि ग्राहक ऐसी जानकारी प्राप्त कर सकें;

(ख) और (ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) द्वारा अपनी ऑनलाइन सेवाओं (डेबिट कार्ड और इंटरनेट/मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से व्यापारी लेनदेन, सरकारी व्यापार लेनदेन, विदेशी मुद्रा लेनदेन, शुल्क भुगतान, भुगतान सेवाएं- आईएमपीएस/एनईएफटी/आरटीजीएस) के माध्यम से अर्जित कुल राशि का विवरण निम्नानुसार है:

क्र. सं.	वित्तीय वर्ष	राशि करोड़ रुपए में
1.	2020-21	365.03
2.	2021-22	466.57
3.	2022-23	485.28
4.	2023-24	512.00
5.	2024-25	510.05

इसके अलावा, पूरे देश में ऑनलाइन मोड और बैंक नेटवर्क सहित प्रदान की गई सभी सेवाओं के माध्यम से पीएसबी द्वारा अर्जित गैर-ब्याज आय में पिछले 5 वर्षों (वित्त वर्ष 2019-20 से वित्त वर्ष 2024-25) के दौरान 9.15% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ वृद्धि हुई है।

(घ): आरबीआई के अनुसार, भारतीय रुपये (आईएनआर) का मूल्य बाजार द्वारा निर्धारित होता है, जिसका कोई लक्ष्य या विशिष्ट स्तर या बैंड नहीं होता है। आरबीआई नियमित रूप से विदेशी मुद्रा बाजार का मानीटर करता है और अत्यधिक अस्थिरता की स्थिति में मध्यक्षेप करता है। सितंबर 2024 से अप्रैल 2025 तक अमेरिकी डॉलर और भारतीय रुपये के संदर्भ में आरबीआई के विदेशी मुद्रा बाजार मध्यक्षेप नीचे दिए गए हैं:

महीना	**मिलियन अमेरिकी डॉलर में शुद्ध बिक्री (-) / खरीद (+)***	**₹ समतुल्य (₹ करोड़ में)**
सितम्बर 2024	9,639	80,549
अक्टूबर 2024	-9,275	-77,969
नवंबर 2024	-20,228	-1,70,630
दिसंबर 2024	-15,150	-1,28,753
जनवरी 2025	-11,139	-95,388
फरवरी 2025	-1,621	-14,024
मार्च 2025	14,355	1,24,586
अप्रैल 2025	-1,660	-14,635

**स्रोत: आरबीआई*

*****